विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 28 अगस्त से 3 सितंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 14 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

कुछ लोग हर बात पर झूठ बोलते हैं. कई बड़बोले होते हैं 10 रूपए के खर्च को 100 बताते हैं. ऐसा करने से उन्हें क्या मिलता है, यह वही जानें लेकिन इससे उनका पाप पक्का बढ़ता है. झूठ बोलने से बचने का प्रयास करें. वर्ना यह कब मुसीबत में डाल देता है, हमें पता भी नहीं चलता है.

खंडित मूर्ति से बना रही खिलौने

विदर्भ स्वाभिमान, 27 अगस्त

पुणे-दस दिनों तक विघ्नहर्ता अथवा अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने के बाद मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है. पीओपी की मूर्तियां नहीं गलती हैं, उसे वैसे ही छोड़ दिया जाता है. इससे व्यथित पुणे की तृप्ती गायकवाड़ ने नदी किनारे और पेड़ के पास पड़ी मूर्तियों को और फोटो फ्रेम्स से खिलौने और घोसला बनाना शुरू कर सकारात्मकता का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है. उनकी सर्वत्र सराहना की जा रही है.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

बंद हो सकती है लाड़ली बहन योजना

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिए संकेत, आर्थिक रूप से सरकार हो रही परेशान

विदर्भ स्वाभिमान, 27 अगस्त

मुंबई/अमरावती-महाराष्ट्र में एक बार फिर से लड़की बहन योजना को लेकर चर्चा की जाने लगी है. विपक्ष ने दावा किया है कि राज्य की फडणवीस सरकार लाडकी बहन योजना को समाप्त करने जा रही है. इन सब के बीच राज्य के सीएम डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी है. गणेशोत्सव की खुशियों के बीच योजना को लेकर राज्य सरकार पर बढ़ते आर्थिक बोझ के कारण यह योजना बंद करने का मन राज्य सरकार द्वारा बनाने के संकेत उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिए हैं. उनके मुताबिक राज्य में भाजपानीत सरकार लाने में इस योजना का बड़ा योगदान रहा है लेकिन अब इसे चलाना राज्य सरकार के लिए कठिन कसरत साबित हो रहा है. 25 लाख बहनों को पहले ही योजना से अयोग्य घोषित किया गया है. इसमें अमरावती जिले की भी हजारों बहनों का समावेश है.

माना जाता है कि महाराष्ट्र महायुति सरकार को बनाने में इस योजना की बड़ी भूमिका रही. हालांकि, सरकार के गठन के बाद से कई ऐसे मौके आए जब कहा गया कि राज्य सरकार इस योजना को बंद करने के पक्ष में है.महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि लाडकी बहिन योजना बंद नहीं की जाएगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सभी चुनावी वादों को पूरी करेगी. एकनाथ शिंदे ने कहा कि किसानों की कर्ज माफी समेत चुनावी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा.गौरतलब है कि लाडकी बहिन योजना पर शिंदे की टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि सरकार ने प्रथम दृष्टया 26 लाख अयोग्य लाभार्थियों की पहचान की है.बता दें कि महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के 26 लाख अयोग्य लाभार्थियों की पहचान की है. इस बात की जानकारी महाराष्ट्र सरकार की मंत्री अदिति तटकरे ने दी है.उन्होंने एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि अयोग्य लाभार्थियों का आंकड़ा सत्यापन के लिए जिला अधिकारियों को सौंप दिया गया है. महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि आगे जांच के पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी. हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पात्र सभी महिलाओं को योजना का लाभ मिलता रहेगा.अमरावती जिले में हजारों महिलाओं को योजना से बाहर करने से उनमें नाराजी है.

गणोत्सव का शानदार आगाज,11 दिन होगी विघ्नहर्ता की सेवा

विदर्भ स्वाभिमान,27 अगस्त

मुंबई/अमरावती-गणेशोत्सव का पर्व राज्य में राज्योत्सव के रूप में बुधवार से आरंभ हो गया है. इसको लेकर भक्तों में जहां अपार उत्साह है, वहीं राज्य में हजारों मंडलों द्वारा गणेश स्थापना कर ग्यारह दिनों तक पूजा-अर्चना तथा सामाजिक उपक्रम लिया जाएगा. अमरावती शहर में 547 और ग्रमीण में 1400 से अधिक गणेश मंडलों द्वारा विघ्नहर्ता की स्थापना कर पूजा-अर्चना की जा रही है. जिला पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद ने जिले की जनता से त्यौहारों के मौके पर शांति व व्यवस्था बनाते हुए खुशियां मनाने का आग्रह किया है. उनके मुताबिक कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी. वायगांव में स्थिति श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में गणेशोत्सव के दौरान राज्यभर से भक्त पहुंचकर दर्शन करते हैं. अमरावती संभाग में भी 8240 से अधिक गणेश मंडलों द्वारा गणेशोत्सव मनाया जा रहा है, पूरा माहौल गणेशमय हो गया है.छाया कॉलोनी में माय फ्रैंड गणेशोत्सव मंडल तथा श्री अष्टविनायक गणेश मंडल द्वारा गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने की जानकारी श्याम गावंडे तथा अष्टविनायक के दक्ष बनारसे ने दी.

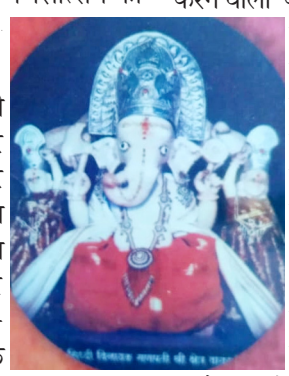

विदर्भ स्वाभिमान श्री वेंकटाचल की महिमा 29

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 29वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बला की बारिश ने बिगाड़ा किसानों का खेल

राज्य के साथ ही देश में लगातार बारिश अब बला की बारिश बन रही है. किसानों को खून के आंसू रूलाने वाली इस बारिश के कारण राज्य सरकार भी दिक्कत में आ गई है. अमरावती में जहां हजारों हेक्टेयर कृषि खेती का नुकसान हुआ है वहीं दूसरी ओर संतरा उत्पादकों से लेकर सोयाबीन, कपास तथा तुवर की फसल को भारी नकसान होने से किसने की फिर एक बार कमर टूट गई है. यह भी कैसी विडम्बना है प्रकृति की मार सबसे अधिक किसानों को ही सहनी पड़ती है. कभी बारिश नहीं होने से और कभी बाढ़ आने से हमेशा नुकसान सबसे अधिक मेहनत करने वाले किसानों को ही होता है. जहां तक अमरावती जिले का सवाल है अमरावती में बारिश के कारण किसानों का भारी नुकसान हुआ है और किसान फिर एक बार गहरी मुसीबत में आ गए हैं. इसे सौभाग्य कहीं या दुर्भाग्य किसान सभी का पालनहार होता है अगर वह अनाज नहीं अप जाए तो इंसान की नहीं सकता लेकिन दुर्भाग्य यह है कि कभी सरकारी बार और कभी आसमानी मार के कारण वह हमेशा मुसीबत में रहता है. राजधानी मुंबई जो कभी थमती नहीं है, दो दिनों से लगातार जारी मूसलाधार बारिश ने इस महानगर को पूरी तरह से चपेट में ले लिया और मंबई में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से हस्त व्यस्त हो गई है राज्य में 14 लाख एकड़ में फसलों को बारिश ने अपनी चपेट में ले लिया है जबकि मराठवाड़ा में बारिश ने इस तरह का कोहराम मचाया कि यहां 11 लोगों की मौत हो गई है. कोरोना के बाद से लगातार किस किसी ने किसी मुसीबत में ही है यही कारण है कि किसान आत्महत्याएं भी बढ़ गई है. किसी परिवार का प्रमुख जब आत्महत्या कर लेता है उस समय उस परिवार का दर्द क्या होता है, इसकी कल्पना केवल उसे परिवार के सदस्य ही कर सकते हैं. ऐसे में राज्य सरकार को प्राथमिकता के आधार पर किसानों की तत्काल मदद करते हुए किसानों को सहारा देने का प्रयास करना चाहिए. ग्लोबल वार्मिंग के कारण इस बार की बारिश ने कई अलग रूप दिखाएं इसमें शहर के एक इलाके में बारिश होती थी तो दूसरे इलाके में धूप जैसी स्थिति का भी निरीक्षण इस पर पर्यावरण प्रेमियों ने किया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस स्वयं किसानों को अत्यधिक चाहते हैं और उनके दर्द को समझते हैं ऐसे में यह उम्मीद करना गलत नहीं होगा कि वह किसानों की मुसीबत को समझते हुए फसलों की बर्बादी के लिए बिना विलंब किए किसानों को तत्काल आर्थिक मदद देकर उन्हें संभालने का कार्य करेंगे. वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने वाले उपमुख्यमंत्री अजित पवार, एकनाथ शिंदे के साथ पूरी राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी रहेगी.किसानों के फसलों के नुकसान को लेकर सरकार ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल समुचित कदम उठाना चाहिए. पंचनामा करते हुए किसानों कीमदद हो और किसानों को भी आत्महत्या नहीं करते हुए जिंदगी रूपी संघर्ष से लड़कर सफलता की सोच रखनी चाहिए. वर्ना परेशानी तो सभी को है, आत्महत्या इलाज नहीं हो सकता.

शिक्षक होते हैं राष्ट्र के भाग्यविधाता

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

किसी भी देश की प्रगति में शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रहता है. बात चाहे आदर्श संस्कार की हो, बच्चे के उज्वल भविष्य की हो. माता-पिता के बाद बच्चों के आकार देने का कार्य शिक्षक ही करते है. समय के साथ यद्यपि शिक्षा क्षेत्र में लगातार बदलाव आ रहा है. लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही तय है कि आज शिक्षा का तरीका कई मायनों में बदल गया है. इसके साथ ही जिस तरह से शिक्षा का व्यवसायीकरण हो रहा है, उसके चलते पवित्र गुरू-शिष्यों के संबंधों में भी बदलाव देखा जा रहा है. लेकिन इसके बाद भी यह बात उतनी ही सच है कि बच्चे आज जल्द से जल्द नई चीजें सीखने के लिए जहां सक्रिय है वहीं दूसरी ओर आधुनिक साधनों का जोड उन्हें मिला है. यही कारण है कि समय के साथ चलते हुए बच्चे आज काफी आगे निकल चुके है. इससे शिक्षकों की जिम्मेदारी भी काफी हद तक बढ़ गई है. कुछ शिक्षकों की गलतियों की सजा अच्छे शिक्षकों पर भुगतने की नौबत भी कई बार आती देखी जाती है. आगामी 5 सितंबर को शिक्षक दिन मनाया जाता है. वैसे तो शिक्षकों को किसी एक दिन में नहीं समेटा जा सकता है.क्योंकि शिक्षक और छात्र का ही रिश्ता ऐसा होता है जो कभी खत्मनहीं होता है. शिक्षक दिन हर दिन रहता है. सीखने का दिन यानी शिक्षक दिन. शिक्षक दिन पर शिक्षकों को आदर्श युवा पीढ़ी का निर्माण करने का संकल्प लेना चाहिए, वहीं छात्रों को भी गुरूजनों के बताए गए आदर्श मार्ग पर चलते हुए जीवन को संवारने का संकल्प लेना चाहिए. शिक्षा को जब संस्कार का जोड़ मिलता है तो वह निश्चित ही और अधिक पॉवरफुल होती है. इसलिए शिक्षक दिन को संकल्प दिन के रूप में मनाया जाना चाहिए.

भारतीय संस्कृति में गुरू की तुलना देवताओं से भी अधिक महत्वपूर्ण रूप में की गई है. गुरूजनों को इसकी गरिमा का ख्याल रखने के साथ ही बेहतरीन पीढ़ी के निर्माण के लिए प्रयास करना चाहिए. शिक्षकों का देश के विकास से लेकर तरक्की और जागरूकनागरिक तैयार करने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रहता है. ऐसे में उन्हें गंभीरता से लेने के साथ ही गुरूजनों का सर्वत्र सम्मान किया जाना चाहिए. उन्हें भी इसकी गरिमा का सदैव ख्याल रखते हुए काम करना चाहिए. जिस देश में शिक्षकों का सम्मान होता है, वह देश सदैव प्रगति करता है. भारतीय संस्कृति और संस्कारों में शिक्षक अथवा गुरू का स्थान भगवान से भी बड़ा बताया गया है. वही समाज के साथ ही राष्ट्र के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. शारीकि शिक्षकों की समस्याओं के लिए वे तत्कालीन सरकार से भी भिड़ने में पीछे नहीं रहे थे.

सुंदरता,विनम्रता,मानवता के त्रिवेणी संगम

एड.विनोद लखोटिया के जन्मदिन पर विशेष, सादगी करती है सभी को प्रभावित

एड.विनोद लखोटिया

शहर ही नहीं तो तो विदर्भस्तर पर सुख्यात अधिवक्ता विनोद लखोटिया सुंदर मन, विनम्रता के धनी और संस्कारित व्यक्ति हैं. संस्कार से परिपूर्ण वे किसी को कितना सम्मान देते हैं, यह उनकी बातचीत के अंदाज से झलकता है. 31 अगस्त को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें,यही कामना.

जीवन में कुछ लोग एक बार मुलाकात के बाद अपने से लगते हैं. ऐसे ही लोगों में हैं विनोद लखोटिया.जीवन में उतार-चढ़ाव के बाद भी उनकी सादगी काबिले तारीफ है. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. उनका कहना है कि हमारी जिम्मेदारी में जितना संभव हो, हमें सभी का सहयोग करने का भाव रखने का प्रयास करना चाहिए.

राजापेठ क्षेत्र निवासी एड. विनोद लखोटिया जितने बेहतरीन वकील हैं, उतने ही हंसमुख, किसी भी कानूनी पहलू का बारीक से अध्ययन करने वाले मददगार इंसान हैं.माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देते हैं. अधिवक्ता विनोद लखोटिया खुशमिजाज व्यक्तित्व के साथ ही यारों के अजीज यार के रूप में पहचाने जाते हैं. उनके मुताबिक मानवता की सेवा भी सबसे बड़ा पुण्य का काम है. उनसे इस मामले में जितना संभव होता है, करने का प्रयास करते हैं.सुख्यात वकील रहने के बाद भी वे अहंकार से कोसों दूर रहते हैं. वे कहते हैं कि दिल यदि है साफ तो हजारों गुनाह भगवान भी माफ करते हैं. इसलिए सदा अहंकार से दूर रहकर क्षमा का भाव रखना चाहिए, इससे अलग ही खुशी की अनुभूति होती है. हर व्यक्ति को सामाजिक दायित्व की भावना से नेक कामों में यथासंभव सहयोग देना चाहिए.धीर-गंभीर दिखाई देने के कारण उनके व्यक्तित्व को समझना मुश्किल होता है. लेकिन अधिवक्ता विनोद लखोटिया आत्मीयता तथा अपनेपन के सागर हैं.जहां वे मानवता की सेवा में समुचित योगदान देते हैं, वहीं दूसरी ओर नेक कामों में योगदान देते हैं. सफलतम वकील रहने के बाद भी उनके व्यक्तित्व की सादगी किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहती है. संस्कारों का जीवन में अत्याधिक महत्व बताने वाले अधिवक्ता विनोद लखोटिया कहते हैं कि हमारे बुर्जुगों द्वारा लगाई गई व्यवस्था कई मायने में अत्याधिक पॉवरफुल रहती है.

मानवता के साथ ही बुजुर्गों, दिव्यांगों की सेवा को पुण्य काम बताते हैं. अधिवक्ता के साथ ही सामाजिक कार्यों में भी जब भी समय मिलता है, योगदान देने में सदैव अग्रणी रहते हैं.दिव्यांगों के साथ ही गरीबों, जरूरतमंदों के साथ ही बुजुर्गों की मदद में आगे बढ़कर प्रयास करते हैं. इतना ही नहीं तो अपने प्रोफेशन के माध्यम से भी किसी गरीब पर हुए अन्याय के खिलाफ न केवल लड़ते हैं बल्की न्याय दिलाने का प्रयास करते हैं. प्रोफेशन के साथ ही समाज के कामों में भी सदैव अग्रणी रहने के कारण हजारों मित्र परिवार तैयार किया है. उसका कहना रहता है कि इन्सान सामाजिक प्राणि होने के नाते उसे सामाजिक कामों में भी यथासंभव योगदान देना चाहिए.

गरीबों को कानूनी मदद दिलाने के साथ ही उनका सहयोग करने में अग्रणी रहते हैं. साथ ही यह भी उतना ही सच है कि मराठी में देव माणूस उन्हें कहना गलत नहीं होगा.विदर्भ स्वाभिमान की सकारात्मक पत्रकारिता की सराहना करने के साथ ही इस नेक काम में भी सदा साथ रहते हैं.उनका प्रेम और आत्मीयता सराहनीय है.जब दोस्ती का पवित्र रिश्ता भी स्वार्थी लोगों की भेंट चढ़ने की कगार पर है, वहीं दूसरी ओर अधिवक्ता विनोद लखोटिया यारों के दिलदार यार हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों मित्र परिवार उन्हें जहां शुभकामनाएं देता है, वहीं संबंधों को निभाने में वे कहीं भी कम नहीं पड़ते हैं. उन्हें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.**विदर्भ स्वाभिमान डेस्क**

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

शहर में जाम का हाहाकार, नियोजनशून्यता पर सवाल

गणेशोत्सव की खुशियों पर आघात, करोड़ों का पेट्रोल डीजल जा रहा बेकार

विदर्भ स्वाभिमान, 27 अगस्त

अमरावती- शहर में नियोजन शून्यता का दंश शहरवासी त्यौहारों के पर्व के दौरान झेलने की मजबूरी आ गई है. रेलवे उड़ान पुल बंद किए जाने के कारण जहां गणेश मंडलों को परेशानी हो रही है, वहीं दूसरी ओर शहर में यातायात जाम से रोज करोड़ों रूपए का पेट्रोल तथा डीजल बर्बाद हो रहा है. इसके साथ ही लोगों को जिस तरह की परेशानी हो रही है, उसका कोई हिसाब नहीं हो रहा है. कौन सी जिम्मेदारी किसकी तरफ है, इसका ही पता नहीं चल पा रहा है. पिछले तीन-चार दिनों से लोग अस्तव्यस्त यातायात से परेशान होकर प्रशासन को कोस रहे हैं, लोगों की यही समझ में नहीं आ रहा है कि यह पुल अचानक कैसे इस कदर बद्हाल हो गया कि पूरी तरह से बंद करना पड़ा. क्या इसकी जानकारी पहले रेलवे, लोकनिर्माण विभाग अथवा शहर की सरकार मनपा को नहीं थी. जिस तरह से परेशानी शहरवासियों को हो रही है, उसका कोई हिसाब नहीं लगाया जा सकता है. वैसे भी शहर का हर तरह का नियोजन गड़बड़ा गया है, जो 10 साल से अधिक समय से पटरी पर नहीं आ रहा है. घुमंतुओं के सामने प्रशासन बेबस है, व्यापारी परेशान हैं लेकिन कोई उनका सहयोग करने वाला नहीं दिखाई दे रहा है. बुधवार को शहरवासियों को भयंकर ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा. खरीदारी के लिए घर से निकले लोग घंटों तक वाहनों की कतारों में फंसे रहे. हालत यह रही कि कुछ मिनट का फासला तय करने में लोगों को घंटों पसीना बहाना पड़ा. पहले दिन तो प्रशासन के रवैये को लेकर लोगों का रोष देखने लायक था. राजकमल से ऊपर जाकर वहां बंद देखकर जयस्तंभ चौक आ रहे थे, यहां से मालवीय चौक तक यातायात जाम की स्थिति इर्विन तक बरकरार थी.

राजापेठ चौक से मालवीय चौक, मालवीय चौक से इतवारा, जयस्तंभ चौक से जवाहर गेट मोची गली इतवारा और मालवीय चौक से इर्विन चौक तक सड़कों पर वाहनों का अंबार लग गया. जगह-जगह कर्णकर्कश हॉर्न बजते रहे और चालक भी झंझलाहट में आपस में भिड़ते नजर आए.राजकमल रेलवे ओवरब्रिज को अचानक बंद कर दिए जाने से लगातार चौथे दिन भी इस मार्ग का पूरा दबाव राजापेठ मालवीय चौक रोड पर आ गया. नतीजा यह हुआ कि पूरे दिन शहरवासी **शेष पेज 8 पर**

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन में कई लोग स्वयं हजारों झूठ रोज बोलते हैं, सामाजिक कामों का दावा करते हैं लेकिन ऐसे लोगों द्वारा जब सच्चाई का महत्व बताना शुरू किया जाता है तो मेरे दिमाग को खटकता है. कई तो दिखाते अलग हैं, वास्तविक में रहते अलग हैं. बुजुर्गों के कल्याण का ढोंग करने वालों के स्वार्थ को मैने करीब से देखा है. वे भूल जाते हैं कि धर्म से भी खतनाक न्याय कर्म का होता है. वह कभी किसी से चूकता नहीं है. इसलिए सच्चाई को सदैव साथ दें, झूठ से दूर रहने का प्रयास करना चाहिए.

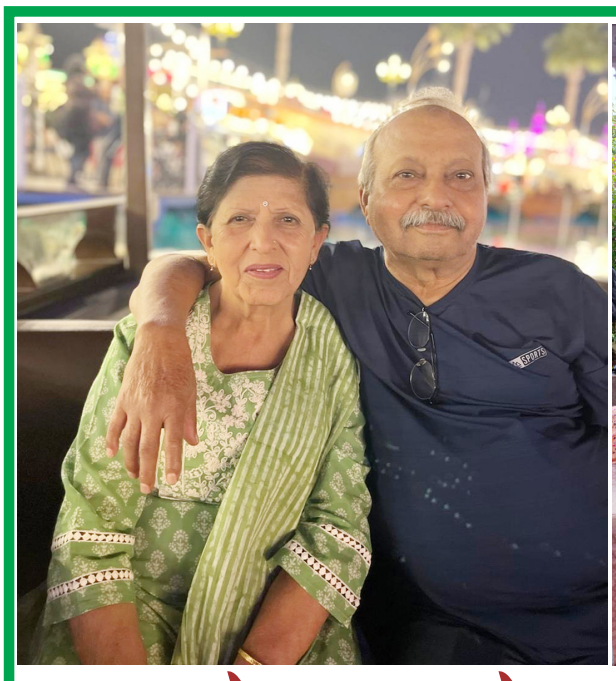

हम बने तुम बने एक दूजे के लिए

दारा दंपति की स्वर्णिम सालगिरह 24 अगस्त पर विशेष,परिवार करेगा भव्य आयोजन

जीवन में पत्नी से बड़ी सहयोगी और साथी कोई नहीं हो सकती है. दोनों के बीच अगर बेहतरीन तालमेल हो और समझदारी हो तो पूरा परिवार स्वर्ग बन जाता है. शहर के दारा परिवार जहां सामाजिक कार्यों के लिए, रक्तदान के क्षेत्र के लिए राज्य स्तर पर पहचाना जाता है वहीं दूसरी ओर डॉ. चंद्रभान दारा, श्रीमती पुष्पा दारा की शादी को 50 वर्ष पूरे हो गए हैं, इस उपलक्ष में स्वर्णिम विवाह वर्षगांठ के उपलक्ष में दोनों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

दारा दंपति मैं जहां एक दूसरे को लेकर अपार प्रेम, विश्वास और अपनापन है वहीं दूसरी ओर दोनों बेटे तथा बेटियों को भी उन्होंने आदर्श संस्कार देकर कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाया है. पुत्र मनीष, डा. रवि दारा के साथ बेटी डॉ.रेणु वालिया दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य विभाग में उच्च पद पर कार्यरत है. तीनों ही संतान आज माता-पिता के गौरव को जहां बढ़ा रही है, वहीं दोनों के बीच के समझदारी के उदाहरण न केवल सिंधी समाज बल्कि अन्य लोगों को दिया जाता है.

हंसमुख डॉ. चंद्रभान दारा जहां स्वास्थ्य सेवा में रहकर रक्तदान को जहां प्रोत्साहित किया वहीं आज अमरावती अगर रक्तदान के क्षेत्र में राज्य के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अगर सम्मानित माना जाता है तो इसका श्रेय उन्हें जाता है. परिवार में मनीष और रवि के बीच अपार प्रेम जहां राम और लक्ष्मण जैसे भाइयों की याद दिलाता है, वहीं बहन दिल्ली सरकार में उच्च पद पर रहने के बाद भी उनकी सादगी और विनम्रता निश्चित तौर पर माता-पिता के आदर्श संस्कार का उदाहरण कहना गलत नहीं होगा. 30 अगस्त को दारा दंपति की शादी की सालगिरह के 50 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा हो रहा है, एकदूसरे के सुख और दुख बांटते हुए यह समय कैसे बीत गया, इसका पता नहीं चला. 2 साल पहले जब होटल प्राइम पार्क में बच्चों ने माता-पिता की शादी की सालगिरह पर शानदार कार्यक्रम रखा था,उस कार्यक्रम के दौरान दारा परिवार को करीबी से देखने का मौका मिला, उस दौरान पुष्पा दारा द्वारा परिवार को किस तरह का आदर्श संस्कार दिया गया, किस तरह एकता के धागे में उन्होंने परिवार को संजोया, यह जानने का मौका मिला. वर्तमान दौर में शादी आज जहां कईयों के लिए मजाक बन गई है. वहीं डॉ.चंद्रभान-पुष्पाजी का आदर्श दांपत्य जीवन सभी के लिए अनुकरणीय कहा जा सकता है. शादी की सालगिरह की स्वर्ण वर्षगांठ पर इस दंपति को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. दोनों का खुशियों का साथ सदा बना रहे, भगवान बालाजी के चरणों में यही कामना.

सुभाष दुबे,संपादक

स्वस्थ शरीर में होता है स्वस्थ मन

गतांक से जारी-हठयोग विधान

राजा के पालन में सुभिक्ष राज्य में हठयोग मंड़प का निर्माण करके उसमें रहते हठयोग का अभ्यास करना चाहिए. वह ऐसा है कि सुगंध से भरे फल- पुष्प वन में हवा के न घुसनेवाले सूक्ष्म व्दार मंटप का निर्माण करके प्रतिदिन गोमय से शुध्दि करके उसमें रहते हुए अधिक मात्रा में नमक इमली तीखा कडुवा कौसलापन वस्तुओं को त्याग करके तिल के तेल मांस मध मीन पदार्थों को छोड़ कर बेर के फल अधिक पत्तों की सब्जी को दही, टमाटर हींग लहसून आदि तामस पदार्थों को त्याग करके यव गेहूँ शाल्यन्न मुग्दसूप गो घी चिचिंडा पोन्नगंटि चक्रवर्ति अदि पत्तों की सब्जियों शर्कर खंड शर्कर आदि सात्विक आहार का ग्रहण करना चाहिए. भोजन करनेवाले अन्न को चार भागों में बांट कर एक भाग को छोड़कर तीन भागों को ईश्वर प्रीति के रूप में खाकर त्रिफलों को औषधियों के रूप में ग्रहण करते हुए ब्रत स्नान उपवास व्रत स्त्री सांगत्य आदि देह के प्रयासों का त्याग करके इह लोक के सुखों में न गिरकर शीत -वातों से दूर रह कर योग के षट्कर्मों का आचरण करना चाहिए. वे कौन से हैं सुनो.

योग के षटकर्म-धोति कर्म वस्ति कर्म नेति कर्म त्राटक कर्म त्राटक कर्म नौलि कर्म कपाल भाति छः षट्कर्म हैं. उनमें धौति कर्म कैसा है सुनो.

धौति कर्म-चौड़ाई में चार हस्त

मृदू वस्त्र लंबाई में पंद्रह हाथ वस्त्र को स्वच्छ जल में भिगोकर धीरे-धीरे अंदर निगलना चाहिए . ऐसा निगल कर फिर बाद में अतिवेग से बाहर निकाल कर बाद में विंशति हस्त वस्त्र को धीरे-धीरे निगलते हुए फिर बाहर निकालते रहने से दीपन होता है.अपान और पित्त कंठनाल से बाहर निकल जाता है. इसका अभ्यास करने से नेत्र से संबंधित स्वास से संबंधित मुख से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं.गुरु के मुख से इस रहस्य को जानकर धौति गजकर्ण नाम से पुकारनेवाले इस कर्म का अभ्यास करना चाहिए . हे हरिजाक्षी ऐसा करने से वायु सब

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-29, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

अपने वश में रहती हैं.

2. वस्ती कर्म-वस्ति कर्म ऐसा है कि नाभि तक पानी में रहते हुए अधो व्दार में नाली को रख कर कुक्कुटासन पर बैठकर अपान वायु के व्दारा जल को ऊपर की तरफ खींचना फिर उसी मार्ग से जल को बाहर निकालना वस्ती कर्म है. इसके अभ्यास से मूल शूल फोड़े जलोदर बात -पित्त दोष नेत्र संबंधी समस्त रोग दूर हो जाते हैं. सप्त धातु चछुंद्रीय अंतः करण शुध्दि प्रसन्नता बल आदि इससे प्राप्त होकर सर्व दोष दूर हो जाते हैं.

3.नेति कर्म-नेति कर्म ऐसा है कि बित्त भर लंबे नाडे को लेकर अमलिन घी में भिगोकर नासिका रंध्र से अंदर खींच कर मुँह से बाहर निकालना नेति कर्म है. इससे कफ साफ होकर दिव्य दृष्टि प्राप्त होगी.

4. त्राटक कर्म-त्राटक कर्म ऐसा है कि नेत्रों को एकाग्र करके सूक्ष्म रूप को देखते नेत्रों में पानी आने तक रहने से त्राटक कर्म है. इससे नेत्र रोग दूर हो जाते हैं . यह सोने की पेटी कीतरह गुप्त रखने की विधा है.

5. नौली कर्म-नौली कर्म ऐसा है कि तीव्र वेग से पेट को दाएँ बाएँ फिरोने से अग्नि मांध से मुक्तहो जाते है. शरीर दीपित होकर पाचन आदि ठीक से हो जाते हैं . जिससे आनंद प्राप्त होता है. यह शरीर के सर्व दोषों को दूर करता है. यह कर्म हठयोग सर्वश्रेष्ठ कर्म है.

6.कपाल भांति कर्म-कपाल भाति कर्म ऐसा है कि जिस प्रकार लुहार की भट्टी की धौंकनी की तरह हवा भरने के रेचक पूरक करना कपांल भाति कर्म है.धौंकनी की तरह हवा भरने के रेचक पूरक करना कपाल भाति कर्म है.इससे सारे कफ दोष दूर हो जाते हैं. इस प्रकार क्रम से धौति वस्ति नेति त्राटक नौलि कपाल भाति नामक ये छः कर्म क्रम से अभ्यास करके रोगों से मुक्त रहने से नाड़ियाँ वश में रहती हैं. तब सिध्दासन पर बैठकर रेचक पूरक कुंभक के युक्त प्राणायाम पूर्वक षण्मुखीमुद्रा का अभ्यास करते रहना चाहिए,तदुपरांत.निश्चलानंद सिध्दि मुषुन्मा नाडि के लिए जिम्मेदार मूलाधार ब्रह्मरंध्र में एक रंध्र रहता है. उस रंध्र को ही भूतत्व कहा जाता है.

इडा पिंगला नाडियाँ भी मुख्य हैं. इनके कारण ही अमृत का स्त्रवन होता है. इस अमृत के स्त्रवन के न होने से ही मनुष्य के शरीर को मृत्यु प्राप्त होती है.उस अमृत को रोकने के लिए बाएँ हाथ की योनि स्थान को अच्छी तरह दबा रखकर गुद को ऊपर की तरह दबाकर अपान वायु को रोकना चाहिए. इस तरह की पहल करने से स्वास्थ्य की कई समस्याएं स्वयं ही खत्म हो जाती हैं.

शेष अगले अंक में

सीए ज्योती पोपटानी क़ा बढ़ते कदम ने किया सत्कार

अमरावती-पूर्व नगरसेवक श्रीचंद तेजवानी व बढ़ते कदम ग्रुप द्वारा ग्रुप के सचिव अजय पोपटानी की बिटिया कु. ज्योती पोपटानी को सी.ऐ. की परीक्षा में सफलता प्राप्त होने पर ग्रुप सदस्यों द्वारा कु. ज्योती को सन्मानचिह्न व पुष्पगुच्छ देकर किया सन्मानित.कु. ज्योती पोपटानी चार्टर्ड अकाउंट अर्थात सनदी लेखापाल की कठिन फाइनल परीक्षा में कढ़ी मेहनत कर उतीर्ण हुई कु. ज्योती ने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता व परिवार को दिया है, कु. ज्योती ने अपने परिवार के साथ साथ समाज का गौरव भी बढ़ाया है.ग्रुप अध्यक्ष तेजवानी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा हम सौभाग्यशाली हैं आज समाज की प्रतिभाओ का सन्मान करने का अवसर हमारे ग्रुप को मिला है। मैं समाज और उपस्थित सभी सदस्यों की और से बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं, और आगे आनेवाले दिनों में और भी उचाईयों को हासिल करें आपसे आनेवाले समय में विद्यार्थीगण प्रेरित होकर मुकाम तक पंहुचे.

विदर्भ स्वाभिमान
आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

रवीन्द्रजी इंगोले

शुभेच्छुक

श्री केशरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

भगवान गणेश के आठ अवतारों की कथा

रिद्धि-सिद्धि तथा बुद्धि प्रदाता भगवान गणेश के आठ अवतारों की कथा विदर्भ स्वाभिमान द्वारा अपने भक्तों के लिए प्रस्तुत की जा रही है. उनकी कृपा होने पर जीवन तर जाता है. महादेव सुत,पार्वतीनंदन तथा रिद्धि-सिद्धि के साथ वही सद्बुद्धि देते हैं. बिना भगवान गणेश की पूजा किए कोई भी धर्म-कर्म फलित नहीं होता है. विश्व में माता-पिता का स्थान ब्रह्मांड इतना महान होने का प्रथम संदेश दुनिया को भगवान गणेश ने दिया है. हम वंदन करते हैं, वे सभी के जीवन में खुशियां लाएं और सभी का जीवन खुशियों से भरें. गणेशोत्सव के दौरान पवित्रता का ख्याल करते हुए सामाजिक,धार्मिक उपक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए. ऐसी कोई हरकत नहीं होनी चाहिए, जिससे सनातन धर्म पर उंगली उठाने का मौका किसी भी तरह मिले.

1. वक्रतुंड-वक्रतुंड का अवतार राक्षस मत्सरासुर के दमन के लिए हुआ था. मत्सरासुर शिव भक्त था और उसने शिव की उपासना करके वरदान पा लिया था कि उसे किसी से भय नहीं रहेगा. मत्सरासुर ने देवगुरु शुक्राचार्य की आज्ञा से देवताओं को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया. उसके दो पत्र भी थे सुंदरप्रिय और विषयप्रिय, ये दोनों भी बहुत अत्याचारी थे. सारे देवता शिव की शरण में पहुंच गए. शिव ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे गणेश का आह्वान करें, गणपति वक्रतुंड अवतार लेकर आएंगे. देवताओं ने आराधना की और गणपति ने वक्रतुंड अवतार लिया. वक्रतुंड भगवान ने मत्सरासुर के दोनों पुत्रों का संहार किया और मत्सरासुर को भी पराजित कर दिया. वही मत्सरासुर कालांतर में गणपति का भक्त हो गया.

2. एकदंत-महर्षि च्यवन ने अपने तपोबल से मद की रचना की. वह च्यवन का पुत्र कहलाया. मद ने दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य से दीक्षा ली. शुक्राचार्य ने उसे हर तरह की विद्या में निपुण बनाया. शिक्षा होने पर उसने देवताओं का विरोध शुरू कर दिया. सारे देवता उससे प्रताड़ित रहने लगे. मद इतना शक्तिशाली हो चुका था कि उसने भगवान शिव को भी पराजित कर दिया. सारे देवताओं ने मिलकर गणपति की आराधना की. तब भगवान गणेश एकदंत रूप में प्रकट हुए. उनकी चार भुजाएं थीं, एक दांत था, पेट बड़ा था और उनका सिर हाथी के समान था. उनके हाथ में पाश, परशु और एक खिला हुआ कमल था. एकदंत ने देवताओं को अभय वरदान दिया और मदासुर को युद्ध में पराजित किया.

3. महोदर-जब कार्तिकेय ने तारकासुर का वध कर दिया तो दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने मोहासुर नाम के दैत्य को संस्कार देकर देवताओं के खिलाफ खड़ा कर दिया. मोहासुर से मुक्ति के लिए देवताओं ने गणेश की उपासना की.तब गणेश ने महोदर अवतार लिया. महोदर का उदर यानी पेट बहुत बड़ा था. वे मूषक पर सवार होकर मोहासुर के नगर में पहुंचे तो मोहासुर ने बिना युद्ध किये ही गणपति को अपना इष्ट बना लिया.

4. गजानन-एक बार धनराज कुबेर भगवान शिव-पार्वती के दर्शन के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंचा. वहां पार्वती को देख कुबेर के मन में काम प्रधान लोभ जागा.उसी लोभ से लोभासुर का जन्म हुआ. वह शुक्राचार्य की शरण में गया और उसने शुक्राचार्य के आदेश पर शिव की उपासना शुरू की.शिव लोभासुर से प्रसन्न हो गए. उन्होंने उसे सबसे निर्भय होने का वरदान दिया. इसके बाद लोभासुर ने सारे लोकों पर कब्जा कर लिया और खुद शिव को भी उसके लिए कैलाश को त्यागना पड़ा.तब देवगुरु ने सारे देवताओं को गणेश की उपासना करने की सलाह दी. गणेश ने गजानन रूप में दर्शन दिए और देवताओं को वरदान दिया कि मैं लोभासुर को पराजित करूंगा. गणेश ने लोभासुर को युद्ध के लिए संदेश भेजा. शुक्राचार्य की सलाह पर लोभासुर ने बिना युद्ध किए ही अपनी पराजय स्वीकार कर ली.

5. लंबोदर-समुद्रमंथन के समय भगवान विष्णु ने जब मोहिनी रूप धरा तो शिव उन पर काम मोहित हो गए. उनका शुक्र स्खलित हुआ, जिससे एक काले रंग के दैत्य की उत्पत्ति हुई. इस दैत्य का नाम क्रोधासुर था. क्रोधासुर ने सूर्य की उपासना करके उनसे ब्रह्मांड विजय का वरदान ले लिया. क्रोधासुर के इस वरदान के कारण सारे देवता भयभीत हो गए. वो युद्ध करने निकल पड़ा. तब गणपति ने लंबोदर रूप धरकर उसे रोक लिया. क्रोधासुर को समझाया और उसे ये आभास दिलाया कि वो संसार में कभी अजेय योद्धा नहीं हो सकता. क्रोधासुर ने अपना विजयी अभियान रोक दिया और सब छोड़कर पाताल लोक में चला गया.

6. विकट-भगवान विष्णु ने जलंधर के विनाश के लिए उसकी पत्नी वृंदा का सतीत्व भंग किया.उससे एक दैत्य उत्पन्न हुआ, उसका नाम था कामासुर. कामासुर ने शिव की आराधना करके त्रिलोक विजय का वरदान पा लिया. इसके बाद उसने अन्य दैत्यों की तरह ही देवताओं पर अत्याचार करने शुरू कर दिए. तब सारे देवताओं ने भगवान गणेश का ध्यान किया. तब भगवान गणपति ने विकट रूप में अवतार लिया. विकट रूप में भगवान मोर पर विराजित होकर अवतरित हुए. उन्होंने देवताओं को अभय वरदान देकर कामासुर को पराजित किया.

7. विघ्नराज-एक बार पार्वती अपनी सखियों के साथ बातचीत के दौरान जोर से हंस पड़ीं. उनकी हंसी से एक विशाल पुरुष की उत्पत्ति हुई. पार्वती ने उसका नाम मम (ममता) रख दिया. वह माता पार्वती से मिलने के बाद वन में तप के लिए चला गया. वहीं उसकी मुलाकात शम्बरासुर से हुई. शम्बरासुर ने उसे कई आसुरी शक्तियां सीखा दीं. उसने मम को गणेश की उपासना करने को कहा. मम ने गणपति को प्रसन्न कर ब्रह्मांड का राज मांग लिया.शम्बर ने उसका विवाह अपनी पुत्री मोहिनी के साथ कर दिया. शुक्राचार्य ने मम के तप के बारे में सुना तो उसे दैत्यराज के पद पर विभूषित कर दिया. ममासुर ने भी अत्याचार शुरू कर दिए और सारे देवताओं के बंदी बनाकर कारागार में डाल दिया. तब देवताओं ने गणेश की उपासना की. गणेश विघ्नराज के रूप में अवतरित हुए. उन्होंने ममासुर का मान मर्दन कर देवताओं को छुड़वाया.

8. धूम्रवर्ण-एक बार भगवान ब्रह्मा ने सूर्यदेव को कर्म राज्य का स्वामी नियुक्त कर दिया. राजा बनते ही सूर्य को अभिमान हो गया. उन्हें एक बार छींक आ गई और उस छींक से एक दैत्य की उत्पत्ति हुई. उसका नाम था अहम. वो शुक्राचार्य के समीप गया और उन्हें गुरु बना लिया. वह अहम से अहंतासुर हो गया. उसने खुद का एक राज्य बसा लिया और भगवान गणेश को तप से प्रसन्न करके वरदान प्राप्त कर लिए.उसने भी बहुत अत्याचार और अनाचार फैलाया. तब गणेश ने धूम्रवर्ण के रूप में अवतार लिया. उनका वर्ण धुंए जैसा था. वे विकराल थे. उनके हाथ में भीषण पाश था जिससे बहुत ज्वालाएं निकलती थीं. धूम्रवर्ण ने अहंतासुर का पराभाव किया. उसे युद्ध में हराकर अपनी भक्ति प्रदान की. वे रिद्धि-सिद्धि,सद्बुद्धि प्रदाता हैं. हमारे बच्चों को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए.

सुदर्शन गांग,
बडनेरा

विदर्भ स्वाभिमान
मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

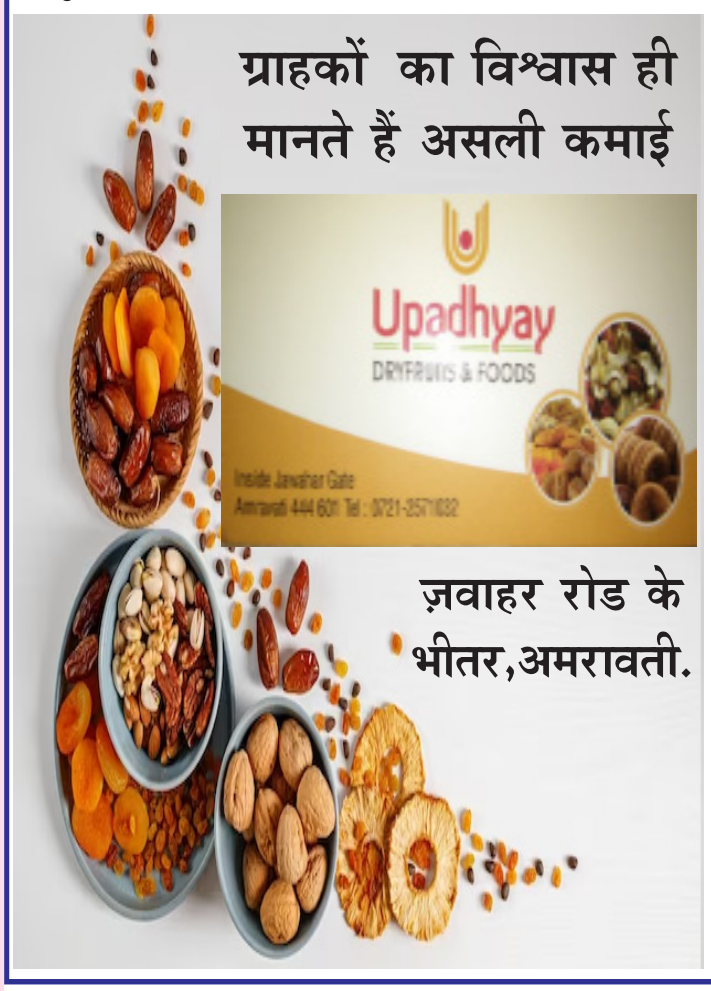

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHMIN / 2010 / 43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

श्री अष्टविनायक,माय फ्रैंड गणेशोत्सव मना रहा है भक्तिभाव से गणेशोत्सव

अमरावती-शहर में गणेशोत्सव का पर्व पूरे भक्तीभाव तथा श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है. सैकड़ों गणेश मंडलों द्वारा बाप्पा की स्थापना करते हुए पूजा-अर्चना तथा आरती तथा रोज विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. छाया कॉलोनी में श्री अष्टविनायक गणेशोत्सव मंडल तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली में स्थिति माय फ्रैंड गणेशोत्सव मंडल द्वारा भी गणेशोत्सव भक्तिभाव से मनाया जा रहा है. हर साल की तरह गणेशोत्सव के कारण क्षेत्र में भक्तिभाव का माहौल है और दोनों ही गणेश मंडलों में दर्शनार्थ भक्त उमड़ रहे हैं. इसके साथ ही शहर के सुख्यात आजाद हिंद मंडल, न्यू आजाद गणेशोत्सव मंडल, श्रीकृष्ण पेठ गणेश मंडल सहित 547 गणेश मंडलों में

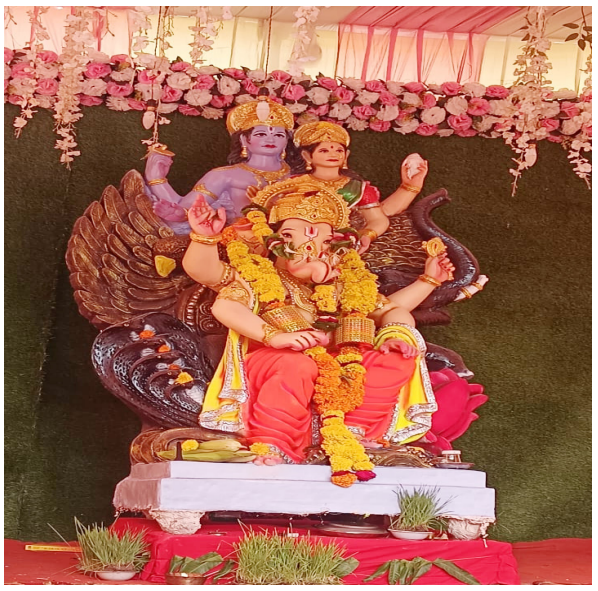

विघ्नहर्ता की स्थापना कर पूजा-अर्चना तथा आरती की जा रही है. इसमें भक्त शामलि हो रहे हैं. समाजसेवी राजेश बनारसे, विजय भोयर, दिनेश उपरीकर के मार्गदर्शन में मंडल के दक्ष बनारसे, श्रकांत तिड़के, भूषण बांबल,आर्यन काळे, अंकुश धोटे, अभिजीत नाईक, श्रेयस माला के साथ ही क्षेत्रवासी प्रयासरत हैं.

माय फ्रैंड गणेशोत्सव मंडल

छाया कॉलोनी में ही विदर्भ स्वाभिमान गल्ली में स्थापित माय फ्रैंड गणेशोत्सव मंडल द्वारा स्थापित बाप्पा की मूर्ति जहां भक्तों का ध्यान खीं च रही है, वहीं साफ-सफाई के साथ ही सुबह और शाम की आरती में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भाग ले रहे हैं. मंडप के शानदार निर्माण से लेकर भक्तों के स्वागत के लिए मंडल के पदाधिकारियों द्वारा लगाया गया द्वार भी सभी का ध्यान खींच रहा है. मंडल के उपक्रम को सफल बनाने में सायन मलिक, सोम आगलावे, क्षितिज गावंडे,यश साहू, अथर्व चुटके के साथ ही छाया कॉलोनी के नागरिक प्रयास कर रहे हैं. बेहतरीन प्रबंधन की सभी सराहना कर रहे हैं.

राजापेठ-दस्तुरनगर मार्ग के गड्ढे बुझाएं

पूर्व महापौर प्रमोद पांडे की आयुक्त से गुहार,सैकड़ों गड्ढे जानलेवा

विदर्भ स्वाभिमान, 27 अगस्त

अमरावती- पिछले कई वर्षों से शहर के व्यस्तम मार्ग में से एक राजापेठ से दस्तूर नगर रास्ते में सैकड़ों गड्ढे चालकों के साथ ही मोपेड चालकों की मौत का आमंत्रण दे रहे हैं, इसकी कई बार शिकायत के बाद भी मनपा द्वारा रास्ते के गड्ढे नहीं भरने पर तीव्र नाराजी जताते हुए पूर्व उपमहापौर और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर सदा अग्रणी रहने वाले पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे, अंजली पांडे ने मनपा आयुक्त से गुहार लगाई है. दोनों ने कम से कम गणेशोत्सव, नवरात्रि जैसे पर्व पर इसके गड्ढे बुझाने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है.

शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक राजापेठ से दस्तूर नगर तक के रास्ते पर सैकड़ों जानलेवा गड्ढे बने हैं, इससे दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन मनपा प्रशासन उदासीन है. गणेशोत्सव तथा त्यौहारों के दौरान कम से कम जोन क्रमांक 2 व 3 के इस मार्ग के गड्?ढे बुझाने की मांग पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे तथा संगठन ने किया है. इस क्षेत्र से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं और सबसे अधिक कर देते हैं. छत्री तालाब से राजापेठ तक का एकमात्र मार्ग, जिसका सुदृढ़ीकरण, सौंदर्यीकरण, सफाई व प्रकाश व्यवस्था दस वर्षों में भी नहीं हो सकी है. मार्ग पर सैकड़ों जानलेवा गड्ढों को भरकर पैचिंग करने की गुहार मनपा प्रशासक सौम्या शर्मा से लगाई है.

गुरुवार को इस बारे में प्रमोद पांडे ने मनपा प्रशासक सौम्या शर्मा से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर दुर्घटनाओं के खतरे की जानकारी दी. प्रशासक ने प्रमोद पांडे को बताया कि श्री गणेश विसर्जन के लिए छत्री तालाब जाने वाली शोभायात्रा के मद्देनजर रास्ते के गड्?ढे बुझानवे के आदेश दिये गए हैं. इन मुख्य मार्गों पर मौजूद गड्ढे भरे जाएं. इस एकमात्र मार्ग को व्यवस्थित करने के लिए पहले भी नानक आहूजा, प्रमोद पांडे, सिंध युवा

मंच व एम. एच.-27-एटीएस ग्रुप ने दिवाली के दिन ही फर्शी स्टॉप चौक पर आमरण अनशन कर इस मार्ग का डामरीकरण करवाया था. उसके बाद तत्कालीन नगर सेविका अंजली पांडे के कार्यकाल में स्वर्ण जयंती योजना के तहत इस सड़क का निर्माण करवाया गया था. आठ वर्षों में इस रास्ते के गड्ढे बुझाने का काम भी नहीं किया जा सका.कम से कम गणेशोत्सव तथा नवरात्रि जैसे त्योहारों के दौरान छत्री तालाब और राजापेठ के बीच आवारा मवेशियों का बंदोबस्त करने का आग्रह किया. इस बारे में मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा को ज्ञापन सौंपते समय प्रमोद पांडे, अंजली पांडे, छाया कडु, संगिता गजभिये, मंजिरी पाठक, वंदना भटकर, माधुरी चौधरी, नीता क्षीरसागर, निलीमा केने, संध्या अवसरे,पूनम नानवानी के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

अष्टपैलू व्यक्तित्व हैं रविंद्रजी इंगोले

जन्मदिवस पर विशेष

जीवन में कुछ लोग अपनी मेहनत, लगन, स्वभाव के कारण किसी के भी दिल में अपनी जगह बना लेते हैं. ऐसे ही लोगों में हैं सेवाभाव, भक्तिभाव से ओतप्रोत रवींद्र इंगोले. जहां मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानते हैं, वहीं उनका मानना है कि मानव सेवा में ही प्रभु सेवा निहित होती है. इस मामले में किसी की भी मदद को जहां तत्पर रहते हैं, वहीं मानवसेवा के काम में सदैव सहयोग करते हैं.

आज एक्वागार्ड स्प्रिं कलर एंड सींचना कंपनी में एरिया मैनेजर का 20 साल तक कार्यकाल बहुत से लोगों को रोजगार देकर दिलों में जगह बना लिया हैं. अपने राजकीय क्षेत्र में अपनी जगह बना कर लोगों को सहयोग किया.अपने प्रभाग का मंदिर हो श्री संत गुलाब महाराज संस्थान चांदूर बाजार अध्यक्ष के कार्यकाल में मंदिर का बहुत बड़ा विकास उनके और उनके मित्र परिवार से संयोग से हो रहा है

मंदिर में सामाजिक शैक्षणिक धार्मिक कार्यक्रमों में उनका बहुत बड़ा सहयोग रहता है आज भी हमारे छोटे-मोटे प्रोग्राम में उनकी उपस्थिति रहती है.लेकिन इसके साथ ही जीवन में कामयाबी के लिए उनके जैसे कुछ लोग सदैव प्रेरणा देने का काम करते हैं.

किसी का सहयोग होता है, मेरी कामयाबी में वे ऐसे ही व्यक्ति हैं. आज रोजाना सैकड़ों लोगों के साथ संपर्क आता है,उसमे के कुछ लोग ही जीवन का ऐसा हिस्सा बन जाते हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है, आज गणेश चतुर्थी के दिन उनका जन्मदिन शुभेच्छा. किसी बात को ध्यान से सुनने के बाद प्रतिक्रिया देना और संबंधित की मदद का भाव सदा रखते हैं.

आज की स्वार्थ से भरी दुनिया में जब अपने भी मुसीबत में दूर हो जाते हैं, ऐसे में कुछ पराए अपने स्वभाव,मददगार व्यक्तित्व से कब अपने हो जाते. जीवन संघर्ष और चुनौतियों का नाम है, रविंद्रजी इंगोले के जन्मदिन पर हम सभी की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.आपकी सभी मनोकामना पूरी हो,यही कामना.

मनोज रा.चोरे
श्री केशरीनंदन ब.संस्था
पार्वती नगर अमरावती

प्रभाग विकास का वादा, सभी के चाहते सचिन दादा

समाजसेवी सचिन भेंडे के जन्मदिवस पर विशेष, सभी कामों में रहते हैं सदा अग्रणी

जीवन में कुछ लोग पहली बार मिलने के बाद ही पहली नजर में ही इस तरह का असर छोड़ते हैं, जो लोगों के दिलों में अपनी जगह बना लेते राणा दंपति के अत्यधिक करीबी, प्रभाग विकास के लिए करोड़ों रुपए की निधि लाने वाले सचिन दादा भिंडी भेंडे यारों के जहां दिलदार यार हैं वहीं दूसरी ओर संपन्नता में भी विनम्रता के कारण लाखों मित्र परिवार तैयार किया है. सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक क्षेत्र में जहां उनका कार्य बेहतरीन है वहीं दूसरी ओर मिलनसार स्वभाव रहने के साथ साईं नगर के विकास के लिए पूरे प्रभाग में लोकप्रिय युवा नेता के रूप में उन्हें देखा जाता है.

जीवन में कुछ लोग अपनी मेहनत, लगन, स्वभाव के कारण सब दिलों में जगह बना लेते हैं, इसका पता नहीं चलता है, ऐसे ही लोगों में हैं हमारे बड़े भाई सचिनभाऊ ओ.भेंडे मेहनत,समर्पण तथा बेहतरीन स्वभाव के कारण हजारों मित्र उन्होंने बनाए हैं. आदमी के जीवन में सबसे बड़ी अहमियत पैसे को है. लेकिन इसके साथ ही जीवन में कामयाबी के लिए उनके जैसे कुछ लोग सदैव प्रेरणा देने का काम करते हैं. किसी की भी मदद को वे जहां तत्पर रहते हैं, वहीं करोड़ों के विकास काम भी किया है.

सचिनभाऊभेंडे मददगार व्यक्ति हैं, वहीं हर व्यक्ति को सहयोग करने तथा प्रोत्साहित करने में उनका जवाब नहीं है. हर इन्सान की कामयाबी में किसी का सहयोग होता है, मेरी कामयाबी में वे ऐसे ही व्यक्ति हैं. आज रोजाना सैकड़ों लोगों के साथ संपर्क आता है,उसमे के कुछ लोग ही जीवन का ऐसा हिस्सा बन जाते हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है, ऐसे ही मित्रों में वे हैं.उनका कहना है कि बड़ा होना बड़ी बात नहीं बल्कि जीवन में संतोष होना बड़ी बात होती है. उनका स्वभाव इतना बेहतरीन है कि किसी की भी मदद को तत्पर रहते हैं. मेरे जैसे सैकड़ों लोग ऐसे होंगे, जिन्हें प्रेरणा देने और सहयोग के माध्यम से आगे बढ़ाने का कार्य उन्होंने किया है.

आज की स्वार्थ से भरी दुनिया में जब अपने भी मुसीबत में दूर हो जाते हैं, ऐसे में कुछ पराए अपने स्वभाव,मददगार व्यक्तित्व से कब अपने हो जाते हैं, इसका पता नहीं चलता है. ऐसे ही लोगों मा.श्री.सचिनभाऊओ.भेंडे भी हैं. जीवन संघर्ष और चुनौतियों का नाम है, रोज नई-नई चुनौतियां आती हैं, इसका रोज सामना करना पड़ता है? तब भगवान याद आते हैं. प्रभु भले नहीं आते हैं लेकिन वे अपने रूप में किसी को भेजकर मदद जरूर करते हैं, इसका अनुभव श्रीकांत भालेराव से मुलाकात के बाद हुआ.मेरे जीवन में भी उनके सहयोग और प्रोत्साहन को कभी भूल नहीं सकता. उनके के जन्मदिन पर सभी की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

मनोज रा.चोरे
श्री केशरीनंदन ब.संस्था
पार्वती नगर अमरावती

गुरूवार 28 अगस्त से 3 सितंबर 2025

मेष
ग़णेशोत्सव का पर्व आपके जीवन में खुशियां लाएगा और तमाम विघ्न दूर होकर दिक्कतें भाग जाएंगी. दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

वृषभ
भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी. वाहन संभालकर चलाएं और नाहक विवाद से बचें.

मिथुन
अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.माता-पिता की सेवा से मुसीबतें दूर हो सकती हैं और भाग्योदय होगा.

कर्क
दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. रिश्तों को समझने का प्रयास करें, बेहतरीन रहेगा.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
भक्तिभाव में बीतेगा समय और गणेशजी की कृपा से मुसीबतें दूर होने में मदद मिलेगी. समझदारी के साथ जिद करने से बचें . अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.पारिवारिक तनाव से बचने और नाहक तनाव से बचने का प्रयास करें.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.
कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट,
साईज 40 बाय 25
9423426199
8855019189

यातायात जाम का हाहाकार

पेज 3 से जारी जाम में फंसने विवश हो रहे हैं. नागरिकों का आरोप है कि

प्रशासन ने बिना ठोस वैकल्पिक व्यवस्था किए पुल को बंद कर दिया, जिससे आमजन की मुसीबतें कई गुना बढ़ गईं. जाम की सबसे बड़ी मार सार्वजनिक गणेश मंडलों की शोभायात्राओं पर पड़ी. राजकमल पुलिया बंद होने के चलते मंडलों को जयस्तंभ चौक होते हुए मालवीय चौक से घूमकर पंडालों तक पहुंचना पड़ा. इस दौरान जगह-जगह फंसे वाहनों और लंबी कतारों के बीच मंडलों की शोभायात्राओं की रफ्तार थम-सी गई.कुमारवाड़ा, फ्रेजरपुरा, एमआईडीसी परिसर और रविनगर क्षेत्र के मूर्तिकारों से मूर्तियां लाने वाले मंडलों को जाम ने बेहाल कर दिया. कई मंडलों को लंबा चक्कर काटना पड़ा, वहीं छोटे मंडलों की शोभायात्राएं भी घंटों तक ठप रहीं. शहर तथा प्रशासन की लापरवाही, जनप्रतिनिधियों में दूरदृष्टि का अभाव शहर का क्या हाल कर सकता है, इसका अनुभव शहरवासी कर रहे हैं. अभी भी स्थिति का पर्याय लोगों को नहीं बताया जा रहा है. सांसद के साथ जनप्रतिनिधियों को मिलकर शहरवासियों को इस गंभीर समस्या पर ध्यान देते हुए प्राथमिकता के आधार पर इसका निराकरण करने तथा लोगों को राहत देने का प्रयास करना चाहिए. अभी यह स्थिति है तो दीपावली जैसे पर्व पर क्या स्थिति होगी, इसका सहजता से अनुमान लगाया जा सकता है. संबंधितों की नियोजनशून्यता के कारण लोगों के पेट्रोलडीजल के साथ कीमती समय की जर्हा बर्बादी हो रही है, वहीं त्यौहार के दौरान शहर पुलिस तथा यातायात विभाग पर भी बड़ा दवाब पड़ रहा है. राजकमल, जयस्तंभ चौक, मालवीय चौक, इर्विन के साथ ही डेपो रोड पर भी दिनभर में जाम वाली स्थिति लोगों को त्रस्त कर रही है.

प्राइवेट कर्मचारियों के लिए सरकार उठाने जा रही है कदम

नई दिल्ली- महाराष्ट्र में प्राइवेट संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए ओवरटाइम और लगातार काम करने की अवधि को बढ़ाया जा सकता है. ये बदलाव श्रम विभाग द्वारा महाराष्ट्र दुकान एवं प्रतिष्ठान (रोज़गार एवं सेवा शर्तें विनियमन) अधिनियम, 2017 में संशोधन कर किया जाएगा.

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के श्रम विभाग द्वारा प्रस्ताव दिया गया है कि किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिदिन 10.5 घंटे (ओवरटाइम सहित) को बढ़ाकर 12 घंटे किया जा सकता है. यह कानून महाराष्ट्र भर में दुकानों, होटलों और मनोरंजन स्थलों जैसे स्थानों पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए लागू होता है.

महाराष्ट्र के श्रम विभाग ने मंगलवार को राज्य कैबिनेट के सामने यह प्रस्ताव रखा, लेकिन मंत्रिमंडल ने इस पर और स्पष्टता मांगी है. बताया गया कि कैबिनेट प्रविधानों और प्रभाव पर अधिक स्पष्टता चाहता था, इसलिए फैसले पर आज रोक लगा दी गई. ये भी प्रस्ताव दिया गया है कि तीन महीनों में 125 घंटे की ओवरटाइम सीमा को भी बढ़ा दिया जाए.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

दुग्धपूर्णा
हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती
पुरूषोत्तम पाटील
तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये
शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक,
अमरावती